हम अपने उद्धारकर्ता यीशु मसीह का जन्म उत्सव मनाएँ

प्रार्थना: हे हमारे पिता तू जो आसमान पर है। कृपया हमें सहायता दे कि हम बच्चों को उस आसमानी उपहार के विषय में बता सके जो हमको यीशु के रूप में दिया गया।

स्यानिय रीति रिवाज के अनुसार जो उचित है वह कार्यक्रम चुन लिजिए।

1. **यीशु के पैदा होने के विषय में गीत गाए।**

   कुछ विश्वासी अपने दोस्तो, परिवारों में जाकर क्रिसमस के गीत गाए।

2. **चरनी की तस्वीर में रँग भरिए या नकल करे।**

- यीशु का प्रथम बिस्तर चरनी थी, भूसा रखने का सन्दूक, और गाय, भेड़, बकरियो का चारा।

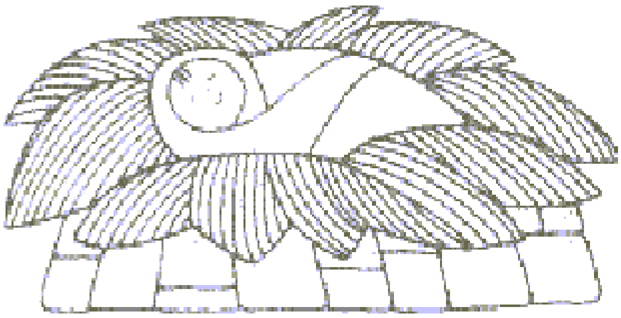

- बच्चे अपनी तस्वीर क्रिसमस के समय बड़ो को दिखाए।
- बच्चो को बड़ो को बताने दीजिए कि किस तरह चरनी हमें इस बात की याद दिलाती है कि यीशु कितनी साधारण और तुच्छ जगह पैदा हुआ। लोगो ने अभी तक उसको परमेश्वर का पुत्र नहीं जाना था।

3. **बच्चो को यीशु के जन्म की कहानी बताएँ जो लूका 1 अध्याय 26-38 और लूका 2 अध्याय 1-20 में पाई जाती है।**

- किसी बड़े बच्चे या अध्यापक को यीशु के जन्म की कहानी पढ़नी चाहिए जो परमेश्वर का पुत्र है।
- वर्णन करो कि परमेश्वर का पुत्र मनुष्य रूप में जन्मा, वह राजा के महल में नहीं परन्तु खलियान में जहाँ जानवर रखे जाते हैं।

प्रश्न: *कहानी सुनाने के बाद, प्रश्न पूछिए,*

क. जब मरियम ने स्वर्गदूत को देखा तो कैसा महसूस किया *(देखे लूका 1:29)*

ख. स्वर्गदूत ने यीशु के बारे में क्या वादा किया *(देखे लूक 1:32-33)*

ग. मरियम ने स्वर्गदूत के सन्देश का क्या उत्तर दिया *(देखे लूका 1:38)*

घ. यूसुफ और मरियम को बेतलेहम क्यों जाना था *(देखे लूका 2:1-3)*

ङ. मरियम ने नवजात शिशु को कहाँ रखा *(देखे लूका 2:7)*

च. गड़रिए उस रात क्यों घबरा गए थे *(देखे लूका 2:8-10)*

छ. गडरियो ने कैसे पहचाना कि कौन सा बालक यीशु है *(देखे लूका 2:11-12)*

ज. यीशु को देखने के बाद गड़रियो ने क्या किया *(देखे लूका 2:20)*

4. **बच्चो द्वारा यीशु के जन्म पर एक नाटक बड़ो के लिए प्रस्तुत करना।**

   नाटक का आरम्भ प्रार्थनामय अगुवो के साथ मिलकर करें। अगर समभव हो तो कई सत्पाह पहले

से तयारी करे।

- अगर समय सीमित है तो अनावश्यक हिस्सा छोड़ दें।
- अगर बच्चे बहुत कम है, तो बड़ों की सहायता लें और पड़ौसी बच्चो को आसान पात्र दें।
- नाटक में स्थानिय रीति रिवाज के अनुसार बदलाव कर सकते हैं।

अध्यापको और बड़े बच्चों के लिए तैयारियाँ!

- वर्णन करने वाला: कहानी को दोबारा सक्षेंप करें। बच्चों को कहानी में क्या कहना है या क्या नहीं कहना, उनको याद कराए।
- मरियम और यूसुफ: मरियम एक गुड़िया यीशु के रूप में लेगी। इसको एक कपड़े में लपेटिए।
- जिब्राएल स्वर्गदूत: हो सके तो सफेद घाघरा पहने। एक सफेद चादर इसके लिए प्रयोग की जा सकती है!

छोटे बच्चो की तैयारियां।

- सराय मालिक, खलिहान में गाय, चरवाहे और भेड़े आदि का पत्र बनाए।
- गडरियो के हाथ में लाठी भी हो!
- सन्दूक में चारा और घास भी डालिए ताकि वह चरनी दिखाई दें।

कहानी का पहला भाग (मरियम और जिब्राइल स्वर्गदूत)

वर्णन करने वाला: पढ़े या जुबानी लूका 1:26-38 बताए। फिर कहें सुनो जिब्राइल स्वर्गदूत क्या कहता है।

जिब्राइल (जोर से बोले): मरियम सलाम, भयमीत न हो। तुम्हारे एक पुत्र उत्पन्न होगा जो यीशु होगा, परमेश्वर का पुत्र होगा। वह राजा कहलाएगा।

मरियम: परन्तु मैं तो कुँवारी हूँ

जिब्राइल: यह परमेश्वर की सामर्थ है जो तुझे पुत्र देगा।

मरियम: मैं प्रभु की दासी हूँ। तेरे वचन के अनुसार ही मेरे साथ हो।

भाग दो (मरियम, यूसूफ, चरवाहे, सराय का मालिक, गाय बैल)

वर्णन करने वाला: पढ़ो या जुबानी लूका 2:1-7 बताए फिर कहें "सुनो यूसूफ क्या कहता है"

यूसुफ: मरियम, राजाज्ञा के अनुसार हमको बैतलहम में जनगणना के लिए नाम लिखवाने जाना है।

मरियम: लेकिन बच्चा पैदा होने का समय नजदीक है।

यूसुफ: मरियम का हाथ पकड़कर उसके साथ चल पड़ा।

मरियम: यूसुफ जल्दी करो, बच्चा पैदा होने वाला है। देखो यहाँ एक सराय है।

यूसुफ: सराय के मालिक की ओर दौड़ा। दरवाजा खटखटाने की आवाज करें "खट। खट। खट।" और जोर से सराय के मालिक को पुकारें "क्या हमारे लिए कोई कमरा है"

सराय का मालिक: नहीं, लेकिन आप खलिहान में गाय बैलो के साथ सो सकते हो।

यूसुफ: मरियम का हाथ पकड़कर चरनी की ओर चल पड़ा।

चौपाए: हाथो और पैरो द्वारा मरियम के चारो ओर इकठ्ठे हो गए। गाय की तरह आवाजे निकालने लगे।

मरयिम: गुड़ियाँ को कपड़े मे लपेटकर सन्दूक में रख दिया और कहा "यीशु उत्पन्न हो गया"

तीसरा भाग (गडरिए और भेड़े)

वर्णन करने वाला: लूका 2:8-20 पढ़े या जुबानी बोले। फिर कहे, "सुनो गडरिए क्या कहते हैं"

तीन गडरियो ने कहा: "आज रात बहुत ठंड है, तारे चमक रहे हैं, भेड़े भी सन्तुष्ट है।"

भेड़े गडरियो के चारों तरफ आवाज़ करती हुई घूमती है

स्वर्गदूतों और गडरिए: स्वर्गदूतों का आना। गडरिए भयभीत होकर जमीन पर गिर जाते हैं।

स्वर्गदूत: गडरियो, डरो मत। हम आपके लिए आनन्द का समाचार लाए है। एक बालक पैदा हुआ है। वह यीशु मसीह प्रभु है। तुम उसको बैतलहम में एक कपड़े में लिपटा और चरनी में पड़ा हुआ पाओगे।

मुख्य चरवाह: चलो जल्दी चलें।

गडरिए: भागते हुए यीशु के पास पहुँचे और सन्दूक के पास घुटनो पर बैठ गए। थोड़ी देर पश्चात् वह खड़े हो गए।

मुख्य गडरिया: परमेश्वर की महिमा हो और उसके इकलौते बेटे हमारे यीशु की। परमेश्वर हमारे साथ है।

वर्णन करने वाला: जब नाटक समाप्त हो जाए तो वह बच्चों का और हरएक का धन्यवाद करे जिन्होने इस नाटक में सहायता की।

प्रश्न: बच्चे बड़ो से वह सवाल पूछें जो कार्यक्रम सख्या दो में है।

लूका 2:14 याद करें

कविता: कोई तीन बच्चे मरियम की प्रार्थना लूका 1:46-55 में है बोले तथा बाकी बच्चे उनके पीछे-पीछे बोले।

"मेरे प्राण प्रभु की बढ़ाई करते हैं" (बच्चे बोले)
प्रभु की महिमा हो जिसने अपना पुत्र हमें दिया (बच्चे बोले)
आपने अपने पुत्र को महल में उत्पन्न नहीं किया (बच्चे बोले)
आपने उसको गरीबो और बेसहारो के लिए भेजा (बच्चे बोले)
आपने उसको हमें बुराइयो और तकलीफो से बचाने के लिए भेजा (बच्चे बोले)
हम भी उसका जन्म उसी खुशी और उत्साह से मनाए
जैसे स्वर्गदूतों और गडरियो ने मनाया (बच्चे बोले)
यीशु मसीह के नाम से आमीन!